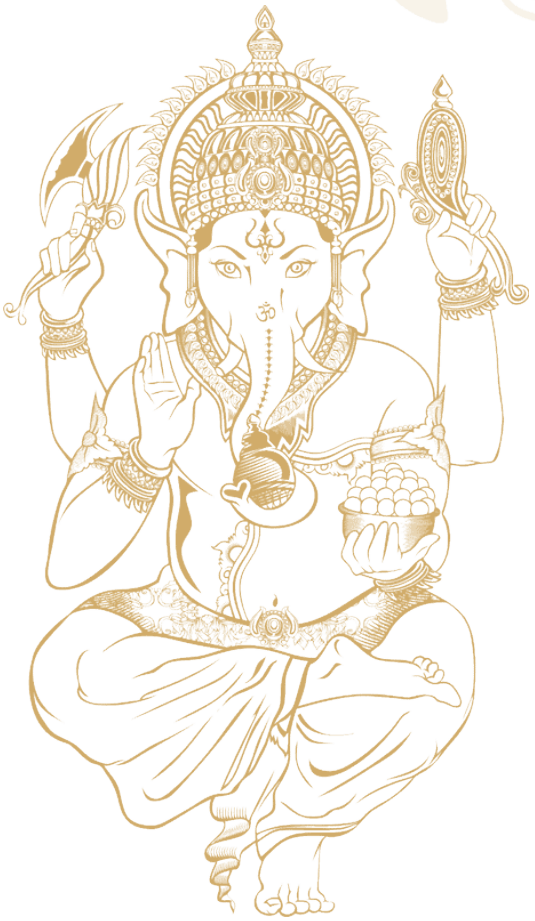

10 Aug 1990

02:47 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121141907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/08/1990**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:47:00 घंटे**
इष्ट	22:44:00 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:29:12 घंटे
वेलान्तर	-00:05:23 घंटे
साम्पातिक काल	11:43:34 घंटे
सूर्योदय	05:41:24 घंटे
सूर्यास्त	19:04:27 घंटे
दिनमान	13:23:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:46:01 कर्क
लग्न के अंश	19:37:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	19:37:17	311:14:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	23:46:01	00:57:32	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	10:54:14	13:48:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
मंगल			मेष	24:39:36	00:35:43	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			सिंह	21:06:09	01:00:57	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	04:33:55	00:13:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	01:57:49	01:13:03	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	26:25:55	00:03:40	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मक	13:31:50	00:01:07	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:31:50	00:01:07	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	12:22:14	00:01:37	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:33:55	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	21:18:21	00:00:31	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	01:47:59	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:48

लग्न-चलित

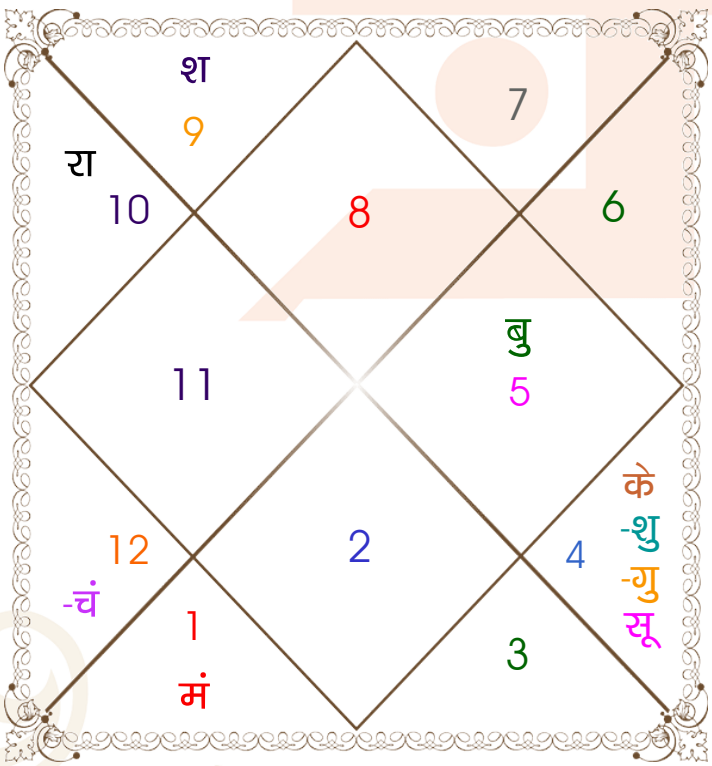

चन्द्र कुंडली

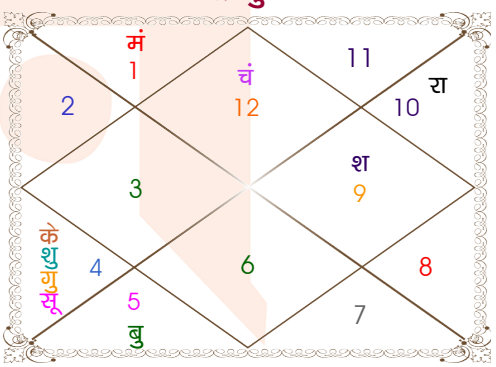

नवमांश कुंडली

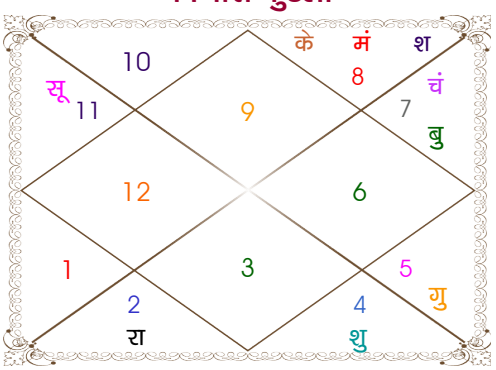

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 2 मास 16 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/08/1990		27/10/1998		27/10/2015		27/10/2022		27/10/2042	
27/10/1998		27/10/2015		27/10/2022		27/10/2042		26/10/2048	
	00/00/0000	बुध	24/03/2001	केतु	24/03/2016	शुक्र	25/02/2026	सूर्य	13/02/2043
	00/00/0000	केतु	21/03/2002	शुक्र	24/05/2017	सूर्य	25/02/2027	चंद्र	15/08/2043
	00/00/0000	शुक्र	19/01/2005	सूर्य	29/09/2017	चंद्र	26/10/2028	मंगल	21/12/2043
	10/08/1990	सूर्य	26/11/2005	चंद्र	30/04/2018	मंगल	26/12/2029	राहु	13/11/2044
सूर्य	29/09/1990	चंद्र	27/04/2007	मंगल	26/09/2018	राहु	26/12/2032	गुरु	02/09/2045
चंद्र	29/04/1992	मंगल	23/04/2008	राहु	15/10/2019	गुरु	27/08/2035	शनि	14/08/2046
मंगल	08/06/1993	राहु	11/11/2010	गुरु	20/09/2020	शनि	27/10/2038	बुध	21/06/2047
राहु	14/04/1996	गुरु	16/02/2013	शनि	29/10/2021	बुध	26/08/2041	केतु	27/10/2047
गुरु	27/10/1998	शनि	27/10/2015	बुध	27/10/2022	केतु	27/10/2042	शुक्र	26/10/2048

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/10/2048		27/10/2058		26/10/2065		27/10/2083		27/10/2099	
27/10/2058		26/10/2065		27/10/2083		27/10/2099		00/00/0000	
चंद्र	26/08/2049	मंगल	25/03/2059	राहु	08/07/2068	गुरु	14/12/2085	शनि	31/10/2102
मंगल	27/03/2050	राहु	11/04/2060	गुरु	02/12/2070	शनि	26/06/2088	बुध	10/07/2105
राहु	26/09/2051	गुरु	18/03/2061	शनि	08/10/2073	बुध	02/10/2090	केतु	19/08/2106
गुरु	25/01/2053	शनि	27/04/2062	बुध	26/04/2076	केतु	08/09/2091	शुक्र	18/10/2109
शनि	27/08/2054	बुध	24/04/2063	केतु	15/05/2077	शुक्र	09/05/2094	सूर्य	11/08/2110
बुध	26/01/2056	केतु	20/09/2063	शुक्र	15/05/2080	सूर्य	25/02/2095		00/00/0000
केतु	26/08/2056	शुक्र	19/11/2064	सूर्य	08/04/2081	चंद्र	26/06/2096		00/00/0000
शुक्र	27/04/2058	सूर्य	27/03/2065	चंद्र	08/10/2082	मंगल	02/06/2097		00/00/0000
सूर्य	27/10/2058	चंद्र	26/10/2065	मंगल	27/10/2083	राहु	27/10/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।